भवन बालिका लिद्यापीठ,लखीसराय

वर्ग नवम विषय संस्कृत शिक्षक श्यामउदय सिंह

पाठ: द्वितीय: पाठनाम स्वर्णकाक:

ता: 29-04-2021 (एन.सी.ई.आर.टी.पर आधारित)

- चिरकालं.....गच्छ

शब्दार्थ

चिरकालम् -बहुत देर तक ,सज्जितान –सजी हुई /सजा हुआ, विस्मयं –हैरानी को ,गता-प्राप्त हुई, विलोक्य –देखकर ,प्राह-बोला , पूर्वम् –पहले लघुप्रातराश:-थोड़ा नाश्ता (जलपान), क्रियताम् -करो/कर लो,अद्यावधि -आज तक, खादितवती-खाया था, ब्रूते-बोला स्वर्णस्थाल्यां –सोने की थाली में, रजतस्थाल्याम् –चाँदी की थाली में ,उत-या ,व्याजहार –बोला/बोली ,निर्धना -गरीब ,आश्चर्यचकिता -हैरान ,सञ्जाता –हो गई ,पर्यवेषितम् -परोसा एतादृक –ऐसा ,स्वादु - स्वादिष्ट ,सर्वदा -सदा